जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक

क्रांति समय

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी
हे नाथ नारायण वासुदेव

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 219, सोमवार, 03 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु. RNI.No.: GUJHIN/2018/75100 ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत 'पिकनिक की जगह' नहीं है ।

सुप्रीम कोर्ट की आयकर विभाग को फटकार

नई दिल्ली।

एक याचिका के लंबित होने की बात कहकर अदालत को 'गुमराह करने के लिए' आयकर विभाग को कड़ी फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत 'पिकनिक की जगह' नहीं है और उससे इस तरह का बर्ताव नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने विभाग पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए कहा कि वह इस बात से 'हैरान' है कि आयकर आयुक्त के जरिए केंद्र ने मामले को इतने हल्के में लिया है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि आयकर विभाग ने 596 दिनों की देरी के बाद याचिका दायर की और विलंब के लिए विभाग की ओर 'अपर्याप्त और अविश्वसनीय' दलीलें दी गईं। इस पीठ में न्यायमूर्ति एस.अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता भी शामिल थे। न्यायालय ने विभाग के वकील को कहा कि ऐसा मत कीजिए। सुप्रीम कोर्ट पिकनिक की जगह नहीं है। क्या आप इस तरह से भारत के कोर्ट से बर्ताव करते हैं।'' पीठ ने कहा कि आप कोर्ट से इस तरह से पेश नहीं आ सकते।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि गाजियाबाद के आयकर आयुक्त की ओर से दायर एक याचिका में विभाग ने कहा कि 2012 में दी गई एक उसी तरह की अर्जी अब भी अदालत में लंबित है। पीठ ने कहा कि विभाग जिस मामले को लंबित बता रहा है, उसका फैसला सितंबर 2012 में ही कर दिया गया था। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष बिल्कुल गुमराह करने वाला बयान दिया है। हम हैरान हैं कि आयकर आयुक्त के जरिए भारत सरकार ने मामले को इतने हल्के में लिया।'' पीठ ने विभाग को चार हफ्ते के भीतर कोर्ट विधिक सेवा समिति के समक्ष 10 लाख रुपए जमा कराने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि रुपए का इस्तेमाल किशोर न्याय से जुड़े मुद्दों के लिए किया जाएगा।

दलितों पर अत्याचार बढने की बात गलत: अठावले

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि यह कहना गलत है कि नरेंद्र मोदी सरकार के तहत दलितों पर अत्याचार के मामले बढ़े हैं। उन्होंने देश में जाति आधारित हिंसा जारी रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता में चाहे कोई भी दल हो, सरकार को षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले अठावले ने कहा कि मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि मोदी सरकार के तहत दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़े हैं लेकिन ये लगातार जारी हैं। आरपीआई के नेता ने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि दलितों पर विगत में भी हमले हुए हैं और भविष्य में भी जारी रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुद्दे को सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अठावले ने कहा कि पिछले 10 साल के आंकड़ों से खुलासा होता है कि देश में दलितों के खिलाफ अत्याचार के लगभग 45 हजार से 46 हजार मामले दर्ज किए गए। अठावले ने महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा गठबंधन का पक्ष लेते हुए कहा कि गठबंधन समाप्त होने की स्थिति में आरपीआई भाजपा के साथ रहेगी। अठावले ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में वह मुम्बई दक्षिण केंद्रीय सीट से लड़ेंगे। इस सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में शिवसेना के पास है। उनके इस कदम से शिवसेना के नाराज होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का लोकसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। मैं मुम्बई दक्षिण केंद्रीय सीट से लड़ूंगा। मैं भाजपा से उनके गठबंधन खाते से शिवसेना को कोई और सीट देने को कहूंगा। आरपीआई नेता ने कहा कि यदि गठबंधन नहीं होता है तो वह उनके, शिवसेना और कांग्रेस-राकांपा के संयुक्त उम्मीदवार के बीच त्रिकोणीय मुकाबले में यह सीट जीत सकते हैं।

सरकार और एलजी की लड़ाई में अटकी नई पार्किंग पॉलिसी!

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर तेजी से बढ़ रही वाहनों की भीड़ पर लगाम लगाने के लिए जनवरी से लागू होने वाली नई पार्किंग पॉलिसी अधर में लटक गई है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सरकार के पक्ष में हाल में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए इस पर उपराज्यपाल अनिल बैजल से मंजूरी नहीं लेने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में परिवहन विभाग नई पार्किंग पॉलिसी को अधिसूचित नहीं करने के मूड में है। बता दें कि पॉलिसी पूरी तरह तैयार है लेकिन अधिसूचित नहीं होने की वजह से लागू नहीं हो पा रही। सूत्र बताते हैं कि नई पार्किंग पॉलिसी पर उपराज्यापाल से मंजूरी नहीं लेने के परिवहन मंत्री के निर्देश पर परिवहन विभाग इस पर फाइल कानून विभाग के पास भेजकर राय लेना चाहता है। लेकिन परिवहन के साथ कानून विभाग भी संभाल रहे कैलाश गहलोत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फाइल उनकी अनुमति के बगैर किसी भी विभाग में नहीं जाएगी। ऐसे में पार्किंग पॉलिसी परिवहन विभाग में ही अटकी हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि मौजूदा हालात में नई पॉर्किंग पॉलिसी को लागू करना असंभव हो गया है। परिवहन विभाग ने पार्किंग नीति को मंजूरी के लिए कुछ माह पहले परिवहन मंत्री के पास भेजा था। मंत्री ने पॉलिसी को अपनी स्वीकृति देकर फाइल को एक सप्ताह पहले परिवहन सचिव व आयुक्त के पास वापस भेज दिया था।

मालदीव ने चीन से मिलाया हाथ, भारत नाराज

बीजिंग। मालदीव अपनी जरूरतें पूरी करने वाले के लिए काफी हद तक भारत पर निर्भर है। लेकिन अब मालदीव ने चीन से हाथ मिला लिया है। मालदीव ने चीन की मदद से फ्लाइओवर बनवाया है जिससे भारत नाराज है। चीन के इस फ्लैगशिप इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के उद्घाटन से भारत ने दूरी बनाई है और अपना विरोध भी जताया है। मालदीव में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्रा इस फ्लाइओवर के उद्घाटन समारोह में नहीं पहुंचे। इसपर मालदीव सरकार ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि हमने भारत के राजदूत को बुलाया, लेकिन वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। हालांकि भारत की ओर से इसपर कोई बयान नहीं आया है। इस फ्लाइओवर का उद्घाटन चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मौजूदगी में किया गया। मालदीव पर आरोप लगे हैं फ्लाइओवर के उद्घाटन समारोह में उसकी ओर से दूसरे देशों के राजदूतों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। आरोप है कि फ्लाइओवर के उद्घाटन स्थल पर केवल चीन के राजदूत की कार को पहुंचने दिया गया। इसपर मालदीव मे विपक्ष के प्रवक्ता अहमद महलूफ ने अपने ट्वीट में लिखा, श्रीलंका और बांग्लादेश के राजदूतों ने इस कार्यक्रम का बॉयकॉट किया क्योंकि उनकी कारों को यमीन के सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया था।

चिदंबरम का मोदी पर पलटवार, पूछा- आपके शासनकाल में कितने कर्ज डूबे?

नेशनल डेस्क।

संप्रग शासनकाल में दिए गए कर्ज को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने पलटवार किया है। उन्होंने पूछा कि राजग सरकार को यह बताना चाहिए कि उनके समय में दिए गए कितने ऋण डूब गए। कांग्रेस नेता ने इस संबंध में कई ट्वीट कर मोदी सरकार पर हमला बोला। चिदंबरम ने अपने ट्वीट में कहा कि मई 2014 के बाद कितना कर्ज दिया गया और उनमें से कितनी राशि डूब (नॉन पफोर्मिंग एसेट्स) गई। उन्होंने कहा कि यह सवाल संसद में पूछा गया लेकिन अब तक इस पर कोई जवाब नहीं आया है। दरअसल शनिवार को प्रधानमंत्री ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती संप्रग सरकार को एनपीए के लिये जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा था कि 12 बड़े डिफॉल्टरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। इन पर 1.75 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है और उन्हें 2014 से पहले यह कर्ज दिया गया था। मोदी ने कहा था कि 27 अन्य बड़े डिफॉल्टरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन पर तकरीबन एक लाख करोड़ रुपये का बकाया है। चिदंबरम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब कहते हैं कि संप्रग सरकार के समय दिए गए कर्ज डूब गए, इस बात को अगर सही मान भी लिया जाए तो उनमें से कितने कर्जों का मौजूदा राजग सरकार के कार्यकाल में नवीकरण किया गया और उनमें से कितने को रॉल ओवर (वित्तीय करारनामे की शर्तों पर पुनः समझौता करना) (मतलब एवरग्रीनिंग) किया गया। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि उन कर्जों को वापस क्यों नहीं लिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, इन राज्यों में भी मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया। जिससे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दिल्ली के ग्रेटर कैलाश, आरकेपुरम, हॉजखास इलाके में काफी तेज बारिश हो रही है। उल्लेखनीय है कि विभाग की तरफ से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा और उत्तरी राज्य उत्तराखंड के कुछ इलाकों में आज मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के उप हिमालयी क्षेत्रों, उड़ीसा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर अगले 24 घंटों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इलाज के लिए अमेरिका रवाना

तिरुवनंतपुरम।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इलाज के सिलसिले में रविवार को अमेरिका रवाना हो गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विजयन मायो क्लीनिक में इलाज के लिए गए हैं और संभवतः तीन सप्ताह बाद वापस लौट आएंगे। वह पहले कल अमेरिका जाने वाले थे। एक विज्ञप्ति में बताया गया कि मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में उद्योग मंत्री ई पी. जयराजन मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कल राज्यपाल पी. सदाशिवम से मुलाकात की और उन्हें विदेश में इलाज कराने के अपने विदेश दौरे के बारे में बताया। विजयन ने राज्यपाल को सरकार द्वारा केरल के पुर्निनर्माण और प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। विजयन पहले 19 अगस्त को अमेरिका जाने वाले थे और इस महीने के मध्य में वहां लौटने वाले थे। उन्होंने केरल की बाढ़ को देखते हुए अपना जाना स्थगित कर दिया था। मुख्यमंत्री तीन मार्च को अपोलो अस्पताल में नियमित मेडिकल जांच के लिए गए थे।

हुड्डा व रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मामला दर्ज होने पर गरमाई हरियाणा की राजनीति

ब्यूरो।

गुडग़ांव के शिकोहपुर गांव की 3.53 एकड़ जमीन से संबन्धित मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा, राबर्ट वाड्रा व् अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मामले पर प्रदेश की राजनीति गरमा गई। सत्ता पक्ष बीजेपी हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य व खेल मंत्री अनिल विज, इनसो के राष्ट्रिय अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला, मुख्यमंत्री मनोहर के मीडिया सलाहकार राजीव जैन और अंबाला लोकसभा से सांसद रतनलाल कटारिया व प्रदेश के मुखिया मनोहर लाल खट्टर ने भी तत्कालीन कांग्रेस सरकार व पूर्व सीएम भूपिदंर सिंह हुड्डा को घेरे में लिया। वहीं, प्रदेश के कांग्रेसी नेताओं ने हुड्डा व राबर्ट वाड्रा के खिलाफ मामला दर्ज होने को लेकर भाजपा की केन्द्र सरकार पर आरोप लगाए व मामले को झूठा बतालाया। वहीं इसे बीजेपी सरकार द्वारा बदले की भावना से उठाया गया कदम बताया। कांग्रेसी नेता पूर्व वित्त मंत्री चौधरी संपत सिंह, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा आदि भूपिंदर सिंह हुड्डा का बचाव करते नजर आए। गुरुग्राम में धोखाधड़ी के मामले में सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाड्रा और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा पर दर्ज एक एफआईआर पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज का बयान सामने आया। विज ने इस मामले में बोलते हुए कहा कि भूपिंदर सिंह हुड्डा ने हरियाणा का मुख्यमंत्री रहते हुए सोनिया गांधी को खुश करने के लिए सारे नियमों को ताक पर रख कर फायदा पहुंचाने की कोशिश की थी। आज उसी मुद्दे पर गुरुग्राम में एक एफआईआर दर्ज हुई है। जिसमें स्पष्ट बताया गया है कि कुछ अफसरों और तत्कालीन सरकार की मदद से डीएलएफ और राबर्ट वाड्रा को करोड़ो रुपये का फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई। विज ने साफ़ किया की एफआईआर दर्ज हो गई है और कानून के तहत जो भी कार्रवाई होगी वह गंभीरता से की जाएगी। हरियाणा के मुखिया सीएम मनोहर लाल ने कहा कि हम पहले दिन से ही भष्ट्राचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। जो भी दस्तावेज या फिर सबूत हमें मिले उनके आधार पर पूर्व सीएम के खिलाफ सीबीआई, विजिलेंस और सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहे हैं, जल्द ही इन जांचों के परिणाम आएंगे। अब इस एफआईआर के आधार पर जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं केन्द्रीय मंत्री राव इन्दरजीत सिंह ने कहा कि हुड्डा के खिलाफ इससे पहले भी केस दर्ज हो चुके हैं। वहीं अंबाला से सांसद रतनलाल कटारिया ने इस मामले पर कहा कि जो जैसे कर्म करेगा वो वैसा भुगतेगा। हरियाणा की भोलीभाली जनता की जमीनों को जिस प्रकार से इन लोगों ने डकारा है उसके ये परिणाम निकलने ही थे। कानून के तहत शिकंजा कसा जाएगा और दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ये सरेआम लूट का मामला था, किसानों से 27 लाख रुपए प्रति एकड़ जमीन लेकर बोगस कंपनियां खड़ी करके 27 करोड़ रुपए एकड़ के भाव से बेची गईं।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जो कर्म किए हैं, उन्हीं का फल अब भुगत रहे हैं। 10 साल तक सोनीपत में किसान जमीन अधिग्रहण को लेकर धरने पर बैठे रहे, लेकिन उस समय हुड्डा ने राज में होते हुए उनकी सुध नहीं ली उन्हीं का फल अब भुगत रहे हैं। वहीं इनसो के राष्ट्रियाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा है की साढ़े चार साल बाद सरकार ने यह मुकदद्मा दर्ज किया है। लेकिन केवल मुकदमा दर्ज होने से कुछ नहीं होता दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाना सरकार की ड्यूटी है, जो जैसा बोयेगा वैसे ही काटेगा भी।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने बूढ़े दादा को जेल में जाते हुए देखा है। पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा ने जमीन घोटाले में हुड्डा और वाड्रा के खिलाफ मामला दर्ज के सवाल पर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह जो मामला है इसको मैंने पढ़ा है। यह एक सुरेंद्र शर्मा नाम के आदमी को परेक्योर करके कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा की आवाज को दबाने के लिए एक झूठा मुकदमा फ्रेम अप किया है। यह मुकदमा नहीं है कोई भी अदालत इसको मानेगी नहीं, जब यह मामला अदालत के सामने जाएगा तो औंधे मुंह गिरेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीआईसी ने आंध्र सरकार से पूछा, तिरूपति मंदिर के 16वीं सदी के आभूषण कहां हैं

नई दिल्ली। सीआईसी ने सवाल किया है कि विजयवाड़ा के 16वीं सदी के शासक कृष्णदेव राय द्वारा तिरूपति में भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर को दान में दिए गए आभूषण कहां हैं? केंद्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), संस्कृति मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार और तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) से यह सवाल किया है। सूचना आयुक्त श्रीधर आचार्युलू ने एक कड़े आदेश में प्रधानमंत्री कार्यालय को यह भी सार्वजनिक करने को कहा कि केंद्र सरकार ने तिरुमला मंदिरों को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने तथा विश्व धरोहर संरचनाओं एवं आभूषणों की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लागू करने के लिए किन कदमों पर विचार किया है। आयोग बीकेएसआर आयंगर की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय से जानना चाहा था कि टीटीडी तिरुमला मंदिर को ऐतिहासिक और राष्ट्रीय विरासत के स्मारक घोषित करने के उनके आग्रह पर क्या कदम उठाए गए हैं। यह सवाल विभिन्न विभागों को भेजा गया लेकिन आयंगर को कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने मामले को सार्वजनिक किए जाने के आग्रह के साथ आयोग का दरवाजा खटखटाया था।

शोपयां मुठभेड़ के दौरान लोगों ने सुरक्षाबलों पर बरसाए पत्थर, हिज्बुल के आतंकी बचकर भागे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में रविवार को घेराबंदी और तलाशी अभियान में बाधा पहुंचाने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े तथा पेलेट गन से गोलियां चलाईं जिससे कई लोग घायल हो गए।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सेना के जवान, जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष अभियान समूह और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को रविवार सुबह शोपियां के इमाम साहिब गांव में आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया सूचना मिलने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। हालांकि जब सुरक्षा कर्मी आतंकवादियों के छिपे हुए इलाके की ओर बढ़ रहे थे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से उन पर गोलियां चलाईं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाई और घटनास्थल से आतंकवादी फरार हो गए। आंतकवादियों की संख्या दो से तीन बताई गई है। ऑपरेशन की सूचना इलाके में फैल गई और घेराबंदी और तलाशी अभियान में बाधा डालने के लिए लोग सड़कों में उतर आए। सुरक्षा बलों को किसी भी विरोध को रोकने के लिए तैनात किया गया। सुरक्षा बलों ने तुरंत हरकत में आये और प्रदर्शनकारियों को खदेडने की कोशिश करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बल पर पथराव और ईंटें से हमला किया जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने उन्हें खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और गोलियां चलाई। इस झडप में कई लोग घायल हो गए। फिलहाल सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान समाप्त कर दिया है।

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन देने वालों को भूमि खरीद पर नहीं देनी होगी स्टांप ड्यूटी

नेशनल डेस्क। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अपनी जमीन देने वाले लोग यदि तीन साल के भीतर अपने लिए जमीन खरीदते हैं तो उन्हें सरकार को कोई स्टांप ड्यूटी नहीं देनी होगी। यह निर्णय परियोजना को लागू करने वाली एजेंसी राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) की हाल में हुई बोर्ड बैठक में लिया गया। यह एजेंसी 508 किलोमीटर लंबी हाई स्पीड गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण करने के वास्ते संघर्ष कर रही है। एनएचएसआरसीएल के सूत्रों ने बताया कि परियोजना के लिए अपनी भूमि देने वाले लोगों को सौगात के रूप में स्टांप ड्यूटी से छूट दी जा रही है। उनकी स्टांप ड्यूटी की राशि एजेंसी सरकार को चुकाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्टांप ड्यूटी से छूट लोगों को उनकी मुआवजा राशि के अतिरिक्त दी जाएगी। अधिकांश राज्यों में संपत्ति के कुल बाजार मूल्य का पांच से सात प्रतिशत स्टांप ड्यूटी के रूप में लिया जाता है जबकि एक प्रतिशत पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। सूत्र ने बताया था कि परियोजना के लिए 1,434 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। इसमें से 353 हेक्टेयर महाराष्ट्र में और शेष गुजरात में है। एजेंसी बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में केवल 0.9 हेक्टेयर भूमि हासिल कर पायी है। बुलेट ट्रेन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरी करने की निर्धारित समय सीमा इस साल दिसंबर की है। सूत्रों ने बताया कि रेलवे ने स्टांप ड्यूटी के लिए कोई ऊपरी सीमा निर्धारित नहीं की है और बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि सौंपने के तीन साल के भीतर भूमि या घर के रूप में संपत्ति खरीदने के लिए कोई भी राशि भुगतान करने को तैयार हैं।

ऑफ द रिकॉर्ड: अटल का जे.एन.यू. में प्रवेश!

नेशनल डेस्क। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो वह चाहते थे कि उनकी पार्टी भाजपा वामदल नियंत्रित जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जे.एन.यू.) में प्रवेश करे। उनको इस बात में कोई सफलता नहीं मिली और संघ परिवार वामदलों के गढ़ को भेदने में विफल रहा मगर उनका स्वप्र एच.आर.डी. मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पिछले सप्ताह बिना किसी विवाद या गड़बड़ी के पूरा कर दिया। पिछले दिनों वाजपेयी का निधन हुआ था। जावड़ेकर ने भारी संख्या में लोगों से मुलाकात की और उनको इस बात के लिए राजी किया कि सरकार जे.एन.यू. को विश्व स्तर की संस्था बनाने के लिए काफी आगे जाने की इच्छुक है। सरकार स्कूल ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग सहित कुछ नए कोर्स शुरू करने की इच्छुक है। जे.एन.यू. की कार्यकारी परिषद इस बात पर राजी हुई कि इन कोर्सों के शुरू होने से जे.एन.यू. का स्तर काफी बढ़ जाएगा।

संपादकीय

बैंकों के गुनहगार

प्रधानमंत्री ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का उद्घाटन करते हुए बैंकों के फंसे कर्जे यानी एनपीए के लिए नामदार लोगों के बहाने जिस तरह कांग्रेस को घेरा वह इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने छल-छद्म का सहारा लेकर उन लोगों को नए सिरे से कर्ज दिलवाया जो दीवालिया होने की कगार पर थे। अगर संप्रग शासन में सचमुच ऐसा ही हुआ तो इसे बैंकिंग व्यवस्था में सेंधमारी के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। बेहतर हो कि पिछली सरकार के नीति-नियंता प्रधानमंत्री के आरोपों का जवाब दें। सवालों के घेरे में खड़े इन लोगों की ओर से यह कहने से काम चलने वाला नहीं कि मोदी सरकार चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है, क्योंकि देश को यह आभास है कि संप्रग सरकार के समय किस तरह कपट भरे पूंजीवाद को संरक्षण प्रदान किया गया। अच्छा होगा कि मोदी सरकार करोड़ों रुपये के कर्ज डकारने वालों के साथ उन्हें भी जवाबदेह बनाए जिनके कारण बैंक न चाहते हुए भी कर्जे देने के लिए विवश हुए। कम से कम उन नामदार लोगों का नाम तो सामने आना ही चाहिए जिन्हें प्रधानमंत्री बैंकों की बर्बादी के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि प्रधानमंत्री बिना नाम लिए कांग्रेसी नेताओं को आईना दिखा रहे हैं। इसके साथ ही ऐसे कदम उठाना भी आवश्यक है जिससे बैंक एनपीए के दुष्चक्र से बाहर आएं। 1यह सही है कि मोदी सरकार ने कर्ज हड़पने और कर्जे देने में आनाकानी करने वालों के खिलाफ सख्ती दिखानी शुरू की है, लेकिन अभी तक अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आ सके हैं। इसका कारण यह है कि राष्ट्रीय कंपनी कानून टिब्यूनल में पहुंचे मामलों का निस्तारण धीमी गति से हो रहा है। इसके चलते ही फंसे कर्जे वाली राशि घटने का नाम नहीं ले रही है। यह ठीक नहीं कि बीते एक साल में जिन कंपनियों के मामले राष्ट्रीय कंपनी कानून टिब्यूनल पहुंचे उनमें से केवल एक का निस्तारण हो पाया है। संभवतः इसी कारण कर्ज के फंसे कर्ज में तब्दील होने का सिलसिला थमता नहीं दिखाई देता। पांच माह पहले के एक आंकड़े के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों का कुल एनपीए 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया था। यह शुभ संकेत नहीं कि जब बैंक मुनाफे की स्थिति में आने के लिए हाथ-पांव मार रहे हैं तब इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद करीब दो दर्जन बिजली कंपनियों पर बकाया राशि के भी एनपीए में तब्दील होने का अंदेशा उभर आया है। अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि बैंक घाटे में डूबते दिखने से बचें। इसमें दोराय नहीं कि सरकार बैंकों को घाटे से उबारने की कोशिश कर रही है, लेकिन बात तो तब बनेगी जब यह कोशिश कामयाब होती दिखेगी। फिलहाल यह स्थिति निर्मित होती नहीं दिख रही है। बैंकों को घाटे से उबारने के ठोस उपायों के साथ यह भी समय की मांग है कि उनके विलय की प्रक्रिया आगे बढ़े। इसमें संदेह है कि विलय का फैसला बैंकों पर ही छोड़ने से अभीष्ट की पूर्ति हो सकेगी।

अतिवादी कदमों के दोतरफा खतरे

दृष्टिकोण/ हरिमोहन मिश्र

बुद्धिजीवियों पर जब आप डंडा चलाते हैं या उनकी बात की अनदेखी करते हैं तो कहीं न कहीं आप राष्ट्र की मूल भावना पर भी चोट कर रहे होते हैं। और देश के लोग इस मूल भावना पर चोट कतई बर्दाश्त नहीं करते। ..राजद्रोह जैसे कानून पर बेहद संजीदा होकर कार्रवाई करने की दरकार है। इसमें तल्ख विरोध या सिर्फ सोचने भर से आरोप नहीं बन जाता है, न कुछ आपत्तिजनक साहित्य पकड़ा जाना कोई साक्ष्य बन सकता है। अगर वाकई हिंसक कार्रवाई में लिप्त रहने या वैसी ही कोई साजिश का हिस्सा होने का वास्तविक प्रमाण मिलता है, तब अलग बात हो सकती है

विधि आयोग ने अपनी हालिया सिफारिश में हमारे लोकतंत्र में विरोध की अहमियत पर नए सिरे से बल दिया है। संभव है, उसे देश में मौजूदा वक्त में जारी गतिविधियों और बहस के चिंताजनक पहलुओं का एहसास हो। जाहिर है, विधि आयोग की यह राय बहस को संतुलित बनाने में काम आएगी और देश के लोगों को नई राह दिखाएगी। यह राय शायद अदालतों के लिए भी हालिया मामलों में मददगार हो सकती है और सरकार तंत्र को भी पुनर्विचार पर मजबूर कर सकती है। न्यायमूर्ति (रिटायर) बलबीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में विधि आयोग ने राजद्रोह कानून (भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए) के संबंध में कहा,''लोकतंत्र में एक ही धारा का राग अलापना देशभक्ति का मानक नहीं होना चाहिए। लोगों को देश के प्रति अपने तरीके से आस्था जाहिर करने की छूट होनी चाहिए। ऐसा करते कोई भी सरकार की नीतियों की खामियों और नाकामियों की सकारात्मक आलोचना कर सकता है। यह आलोचना तल्ख और कुछ के लिए अप्रिय हो सकती है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि उसे राजद्रोह की श्रेणी में डाला जाना चाहिए।धारा 124ए के तहत राजद्रोह के कड़े प्रावधानों का प्रयोग वहीं होना चाहिए जहां नीयत सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने या सरकार को अवैध या हिंसक तरीके से हटाने की हो।' इसके साथ आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि विरोध की अहमियत को अगर हम कमजोर करेंगे तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। यह पहली बार नहीं है कि विधि आयोग ने ऐसी राय जाहिर की है। इसके पहले भी कई आयोग इस संबंध में बेहद संजीदा ढंग से कार्रवाई करने की सलाह दे चुके हैं। देश में यह बहस भी आजादी के कुछ समय बाद ही तीखे ढंग से शुरू हो गई थी। असल में कई कानूनों की तरह यह भी हमारी औपनिवेशिक विरासत का हिस्सा है। अंग्रेजों ने अपने प्रति विरोध के दमन का इन्हें हथियार बनाया था। संविधान सभा में भी इस पर बहस हुई थी। इसी के साथ अवमानना और मानहानि संबंधी कानूनों पर भी बहस हुई थी। अवमानना और मानहानि के मामलों से फौजदारी की धाराओं को अलग करने की दलीलें भी बेहद पुरानी हैं। असल में ये दोनों ही कानूनी प्रावधान अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ अंकुश जड़ देते हैं, जिसे लोकतंत्र की आत्मा कहा जाता है। हालांकि संविधान सभा में कुछ शतरे के साथ इन प्रावधानों को रहने दिया गया था। लेकिन साठ-सत्तर के दशक में ही सुप्रीम कोर्ट अपने कई फैसलों में इन दोनों प्रावधानों को बेहद असाधारण मामलों में ही लागू करने की हिदायत दे चुका है। उसके बाद भी कई फैसले इस मामले में नजीर है।लेकिन मौजूदा दौर में जिस तरह इन प्रावधानों का इस्तेमाल आम हो गया है, वह वाकई चिंता का विषय है। हाल में कई वकीलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर माओवादियों के साथ सांठगांठ के मामले में गिरफ्तार किया तो कई जाने-माने बुद्धिजीवियों की सख्त प्रतिक्रिया भी यही जाहिर करती है कि सिर्फ चिट्ठियों, ई-मेल या लेखों के आधार पर यह कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। हालांकि पुलिस की दलील है कि उसके पास हिंसक गतिविधियों में मदद करने के साक्ष्य मौजूद हैं। मुंबई पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कुछ साक्ष्यों को सार्वजनिक करने की कोशिश भी की। मगर, खासकर जानी-मानी मानवाधिकार वकील सुधा भारद्वाज का खंडन भी आ गया कि उनके ई-मेल वगैरह के साथ छेड़छाड़ की गई है और जिनसे उनके संवाद बताए जा रहे हैं, उन्हें वे जानती तक नहीं। खैर! इस खंडन-मंडन के बावजूद यह तो कहा ही जा सकता है कि ऐसे आरोप मढ़ने के पहले पूरी सावधानी बरती जानी चाहिए। बहरहाल, मामला सर्वोच्च अदालत में है, इसलिए इस बहस में उतरने से पहले इंतजार करना ही बेहतर है।बड़ा सवाल देश के बड़े बुद्धिजीवियों की वह चिंता है कि हमारे राज्य का ढांचा पुलिस तंत्र में बदलता जा रहा है। इतिहासकार रामचंद्र गुहा तो यहां तक कह गए कि ''आज अगर महात्मा होते तो वे फौरन अपना वकील का जामा पहनकर बचाव में खड़े हो गए होते।' यह भी गौर करने लायक है कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वालों में इतिहासकार रोमिला थापर और समाजशास्त्री सतीश देशपांडे सरीखी शख्सियतें हैं। ये बुद्धिजीवी ऐसे हैं, जो किसी चीज को बिना जांचे-परखे कोई रवैया नहीं बनाते क्योंकि उनका अकादमिक अनुशासन इसकी इजाजत नहीं देता। इसलिए हमेशा ऐसे लोगों की राय संजीदा ढंग से लेनी चाहिए वरना हम देश में तर्कसंगत सोच-समझ से च्युत हो जाएंगे।बुद्धिजीवियों का मान-सम्मान बेहद जरूरी है और उनके कदम अगर विरोध में भी उठे हों तो उस पर शांत होकर विचार करने की दरकार होती है। यहां एक घटना का जिक्र करना गैर-मुनासिब नहीं होगा। सत्तर के दशक में यूरोप और खासकर फ्रांस में ऐतिहासिक छात्र आंदोलन हुआ, जिसकी आंच पूरी दुनिया में महसूस की गई। तब फ्रांस के राष्ट्रपति डी''गाल की दुनिया भर में तूती बोलती थी। कहते हैं डी''गाल ने पुलिस के आला अधिकारियों की बैठक बुलाई कि बेकाबू छात्र आंदोलन से कैसे निपटा जाए। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि दुनिया भर में मशहूर बुद्धिजीवी ज्यां पाल सार्त्र छात्र को भड़का ही नहीं रहे हैं बल्कि वे प्रदर्शनों और पोस्टर वगैरह चिपकाने के दौरान भी मौजूद रहते हैं। अधिकारियों की सलाह थी कि सार्त्र को गिरफ्तार कर लिया जाए तो आंदोलन पर काबू पाया जा सकता है। इस पर डी''गाल बिफर पड़े। उन्होंने कहा, सार्त्र को गिरफ्तार करने का मतलब है कि फ्रांस को सीखचों में जकड़ देना, फ्रांस को गिरफ्तार करने का हमारे पास अधिकार कहां है। फिर सार्त्र भी तो फ्रांस है। उसका नागरिक है। तो, जाहिर है, बुद्धिजीवियों की राय को अनसुना करना और बड़े संकट की ओर ले जा सकता है।लेकिन हमारे देश में ही राज्य सत्ता इसके उलट एकाधिक बार रु ख दिखा चुकी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण इमरजेंसी का वह दौर है, जब विपक्षी नेताओं के साथ कई बुद्धिजीवियों को भी जेल में डाल दिया गया था। हाल ही में महान पत्रकार और संपादक कुलदीप नायर का निधन हुआ। उन्हें भी जेल में डाल दिया गया था। लेकिन इमरजेंसी का खमियाजा इंदिरा गांधी सरकार को भुगतना पड़ा था। दरअसल, बुद्धिजीवियों पर जब आप डंडा चलाते हैं या उनकी बात की अनदेखी करते हैं तो कहीं न कहीं आप राष्ट्र की मूल भावना पर भी चोट कर रहे होते हैं। और देश के लोग इस मूल भावना पर चोट कतई बर्दाश्त नहीं करते।बहरहाल, उस मूल बहस पर लौटते हैं कि राजद्रोह जैसे कानून पर कैसे बेहद संजीदा होकर कार्रवाई करने की दरकार है। और यह संजीदगी कोई अव्याख्यायित नहीं है। इसमें तल्ख और तीखे विरोध या सिर्फ सोचने या बात करने भर से आरोप नहीं बन जाता है, न कुछ आपत्तिजनक साहित्य पकड़ा जाना कोई साक्ष्य बन सकता है। अगर वाकई हिंसक कार्रवाई में लिप्त रहने या वैसी ही कोई साजिश का हिस्सा होने का वास्तविक प्रमाण मिलता है, तब अलग बात हो सकती है। हमें भी और पूरे सरकार तंत्र के साथ-साथ निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए, जो सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा। रोमिला थापर वगैरह की याचिका पर विचार करते हुए प्रधान न्यायाधीश की अगुआई वाली पीठ ने कहा कि विरोध या असहमति को रोकेंगे तो प्रेशर कूकर फट जा सकता है। इसी संदर्भ में विधि आयोग की मौजूदा राय भी खास अहमियत रखती है। इसलिए विरोध की अहमियत को कम करके मत आंकिए। ऐसा करके हम अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी चला रहे होंगे। ऐसी ही भावनाओं का इजहार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्णस आडवाणी भी कई बार कर चुके हैं।

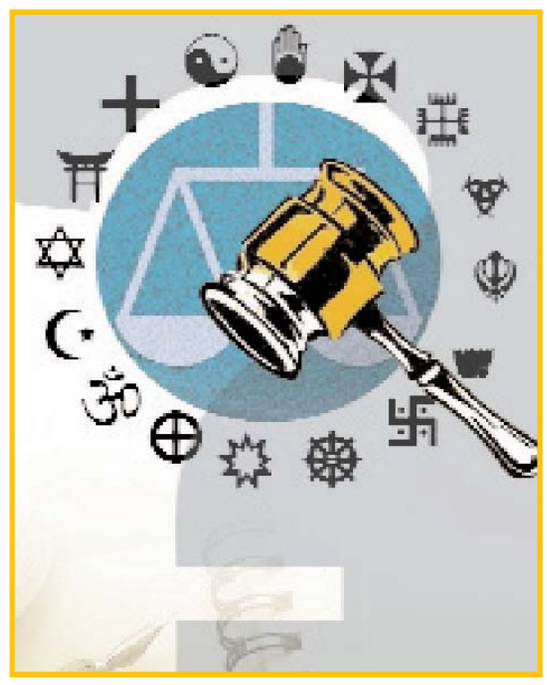

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव

(लेखक-डॉक्टर अरविन्द जैन)

पर्व तीन प्रकार के होते हैं जैसे शाश्वत ,नैमित्तिक और जन्म दिवस ,जन्माष्टमी का त्यौहार जन्म दिवस के अंतरगत मनाया जाता हैं। यह दिन जिनके जन्म में प्रेम ,ध्यान और अठखेलियों का एक साथ होना वह कृष्ण का ही रूप हो सकता हैं। इसे गोकुलाष्टमी भी कहते हैं। यह भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव हैं जिसे अखिल विश्व पूर्ण उत्साह ,हर्षोल्लास से मनाते हैं। श्री कृष्ण का जन्म यह दर्शाता हैं की अंधकार का नाश होना और दुष्टों का संहार करना और पापीओं को इस पृथ्वी से मुक्त करना। कृष्ण जन्माष्टमी एक ऐसा त्यौहार हैं जिसमे सम्पूर्ण विश्व उमंग और उत्साह में डूब जाता हैं। श्रावण कृष्ण अष्टमी को यह त्यौहार मनाया जाता हैं। ऐसी मान्यता हैं की जब पृथ्वी पर अन्याय ,अत्याचार ,हिंसा का प्रादुर्भाव होता हैं तब पृथ्वी माँ ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की इस पृथ्वी के विनाश को बचाने के लिए कोई उपाय करे। भगवान विष्णु ने धरती माँ को आश्वत किया की वे पृथ्वी को बचाएंगे और दुष्टों का अंत करेंगे। अपने वादें के मुताबिक भगवान विष्णु ने कृष्ण के अवतार के रूप में इस पृथ्वी पर अर्धरात्रि को जन्म लिया। .श्रीकृष्ण विष्णु के आठवे अवतार के रूप में जाने जाते हैं। देवकी और वासुदेव के पुत्र कृष्ण का जन्म मथुरा में कंस के कारागृह में हुआ था। जिस समय कृष्ण का जन्म हुआ उस समय का काल बहुत दुखमय था ,स्वतंत्रता का अभाव, दुष्ट आत्माएं /कंस जैसे अत्याचारी राजा राज्य कर रहे थे.श्रीकृष्ण का जीवन बहुत कष्टमय था। कारण उसके मामा कंस को यहभविष्यवाणी मिली थी की उसकी मृत्यु उसके भांजे के हाथों होंगी। श्रीकृष्ण पूर्व से ही होने वाली घटनाओं से परिचित थे। वासुदेव ने तुरंत बाल कृष्ण को यशोदा और नन्द को कंस के भय के कारण सौंप दिया था.इस कारण इस कृष्ण भक्त इस दिवस को उपवास रखते हैं ,भक्ति गीत गाते हैं और कृष्ण मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करते हैं. श्रीकृष्ण ने संसार में व्याप्त दुखों ,जन्म और मृत्यु पर बहुत उपदेश दिए ,उनका जन्म अवतार के रूप में हुआऔर उनका त्यौहार भगवान् के बाल रूप में मनाया जाता हैं। जो सबके प्रिय ,आकर्षक दिव्य विभूति और आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका पृथ्वी में अवतार लेने का मुख्य कारण यह था की उस समय पृथ्वी पर जो अज्ञानता रूप अंधकार ,राक्षसी प्रवृत्तियों द्वारा अत्याचार ,भय ,हिंसा का वातावरण बना हुआ था उससे मुक्त कराना था. और धर्म को स्थापित करना व दुष्ट कंस जिसने मानव जीवन कष्टमय बना रखा था को नष्ट किया. उनका सूत्र था की जब जब पृथ्वी पर अधर्म का राज्य होगा व अत्याचार /अनाचार /दुराचार/ हिंसा का बाहुल्य होगा तब तब मैं जन्म लूंगा.जन्माष्टमी पर्व आपसी भाई चारा को बढ़ावा देता हैं और आपस की मलिनता को दूर करता हैं। इसीलिए इस दिन इस दिन को पवित्रता के साथ मिलजुलकर मनाने का अवसर मिलता हैं। इस दिन पूरे देश विदेश में यह त्यौहार बहुत उत्साह ,उमंग ,उल्लास के साथ मनाया जाता हैं। इस दिन उनके उपासक उपवास रखते हैं और मंदिरों ,घरों में बाल लीलाएं होती हैं। युवा वर्ग मस्ती के साथ दही हांडी का कार्यक्रम रखते हैं। कई जगह रास लीला मनाई जाती हैं। उनके जन्म की झांकिया बनायीं और रखी जाती हैं। इस समय उनकी मूर्ति को पालने में रखकर पंचामृत से अभिषेक करते हैं। यह पंचामृत प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता हैं उनके उपासक पालना झुलाकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। उनकी आरती शंखों के नाद से की जाती हैं। इस दौरान कृष्ण मंदिरों में भव्य बिजली की सजावट की जाती हैं। कुछ मंदिरों में भागवत गीता का पाठ किया जाता हैं। सुंगधित फूलों की वर्षा की जाती हैं। सुंगधित कपूर की आरती की जाती हैं और मंदिरों में घंटियों से पूर्ण वातावरण शुद्ध व शांतिमय बन जाता हैं। विशेष रूप से मथुरा और वृंदावन में जन्माष्टमी बहुत उत्साह से मनाई जाता हैं और रात्रि जागरण होता हैं। नृत्य नाटक श्रीकृष्ण के चरित्र पर होते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में दही हांडी की अधिकता होती हैं दक्षिण भारत में चावल के आटे की रंगोली बनाई जाती हैं और बालकृष्ण के चरण कमल अपने घरों के सामने बनाते हैं जिसका आशय कृष्ण हमारे घरों में पधारे। इस दिन को हम वास्तव में श्रीकृष्ण के द्वारा दिए गए उपदेशों को जीवन में उतारे और अपने जीवन को सुख शांतिमय बनाये व इसके माध्यम से हम सर्व विश्व कल्याण की मंगल कामना करे व उन्होंने जीवन की नश्वरता का जो पाठ पढ़ाया ,नीतियां समझाई उसे अंगीकार कर अपना जीवन कृष्ण मय बनाये यह ही जीवन की सार्थकता होगी।

आपका जन्माष्टमी पर्व मंगलमय हो।

विचार मंथन

सख्त तेवर के साथ इमरान सरकार करे आतंक का खात्मा

लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर एवं सफल कप्तान से राजनीति में पदार्पण करने वाले और बतौर प्रधानमंत्री अपनी पहली सत्ता रुपी पारी खेलने पहुंचे इमरान खान को जहां अमेरिका ने बधाई संदेश दिया वहीं उसने अपनी दरोगाई दिखाते हुए यह भी कह दिया कि इमरान सरकार अब आतंकवाद और अफगानिस्तान के मामले पर सही दिशा में काम करे। इसका सीधा अर्थ तो यही हुआ कि पूर्व सरकारें आतंकवाद और अफगानिस्तान पर जो कार्य कर रही थीं वो सही दिशा नहीं थी, जिससे अमेरिका भी नाराज था। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि अमेरिका के सहयोगी देशों की संयुक्त सेना ने पाकिस्तान में ही ओसामा बिन लादेन को बिना पाकिस्तान को सूचित किए ही मार गिराया था। बहरहाल वो बीते कल की बात हो गई, लेकिन अब चूंकि अमेरिका के विदेश मंत्रालय की भाषा आदेशात्मक है अत- गैरतमंद सरकार को आपत्ति होना लाजमी है। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तान एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश है। बावजूद इसके यह सवाल उठना भी लाजमी है कि अमेरिका ने पाकिस्तान को आदेशित करके क्या कोई बड़ी गलती कर दी है, जो पाकिस्तान की इमरान सरकार उससे अपने बयान सुधारने को कह रही है। यहां यह कहना भी गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री इमरान खान भूल रहे हैं कि पाकिस्तान की पूर्व सरकारों ने अमेरिकी बैसाखियों का इस कदर इस्तेमाल किया है कि अब तो पाकिस्तान अपने खुद के पैरों पर चलना ही भूल गया है। अमेरिकी रहमो-करम पर अर्थव्यवस्था चलाने से लेकर सुरक्षा के मामले में भी अमेरिका पर निर्भर रहने वाले पाकिस्तान के नए-नवेले प्रधानमंत्री इमरान खान कुछ अलग जरुर करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपनी दयनीय स्थिति का आभास भी होना जरुरी हो गया है। इस मामले में पाकिस्तान कहीं से भी हिन्दुस्तान की बराबरी नहीं कर सकता, क्योंकि आर्थिक मदद अपनी जगह है, लेकिन किसी का पिछलग्गू बने रहना दूसरी बात है। भारत के अमेरिका से भी संबंध हैं और पुराने विश्वासपात्र रुस से भी घनिष्ठता है। भारत चीन से भी व्यापार कर लेता है और ईरान से तेल भी आयात कर लेता है। दरअसल भारत की तटस्थतावादी विदेशनीति हमें किसी भी गुट में शामिल होने से रोकती है और इसके अपने लाभ हैं जबकि पाकिस्तान ने अमेरिका परस्ती में अपना सब कुछ खो दिया है। इस पर आतंकवाद ने पाकिस्तान की मजबूत जड़ों को भी खोखला कर दिया जो ऊपर से तो दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन वक्त आने पर मालूम चल जाएगा कि जिनके दम पर पाकिस्तान अपने पड़ोसी मुल्कों को तो आंखे तरेरता रहा है, इसके साथ ही अमेरिका को भी अब उसने आंखें दिखाने का काम शुरु कर दिया है वह उसके अपने लिए नुक्सानदेह बात है। संभवतः ऐसा वह चीन के दम पर कर रहा है, लेकिन इस मामले में यदि इमरान सरकार भी यही सोचती या समझती है कि अमेरिका यदि आर्थिक मदद नहीं करता है तो न करे, वो चीन से मदद लेकर काम चला लेगा। ऐसा सोचना भी पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी भूल साबित होने वाली है। यह पाकिस्तान का भ्रम होगा, क्योंकि चीन एक सीमा तक ही मदद के लिए कदम आगे बढ़ाएगा, उसके बाद वह भी अपने कदम पीछे खींच लेगा। इस मामले में चीन को विश्वासपात्र मानना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के बराबर है। बहरहाल यहां हम बात अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की कर रहे हैं, जिनका पाकिस्तान दौरा तय है। ऐसे में आतंकवाद के मसले पर बातचीत को लेकर दोनों देशों के बीच टकराव होने या विवाद बढ़ने के चांस इसलिए भी ज्यादा हैं, क्योंकि माइक पोम्पिओ की पाकिस्तान यात्रा से ठीक पहले प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक और सख्त बयान देकर जतला दिया है कि वो झुकने वालों में से नहीं हैं। चूंकि इमरान अभी विदेश मामलों की राजनीति से अनभिज्ञ, अनाड़ी हैं अत- वो कह सकते हैं कि उनकी सरकार ट्रंप प्रशासन की एकतरफा मांगों को नहीं मानेगी। अब उन्हें कौन बताए कि अमेरिका पाकिस्तान से एकतरफा मांग नहीं कर रहा है, बल्कि वह तो यह बता रहा है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार को करना क्या है।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं

श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।
अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।

श्रीकृष्ण बना रहे

मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट श्रृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट श्रृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और श्रृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में

कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिर्फ तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

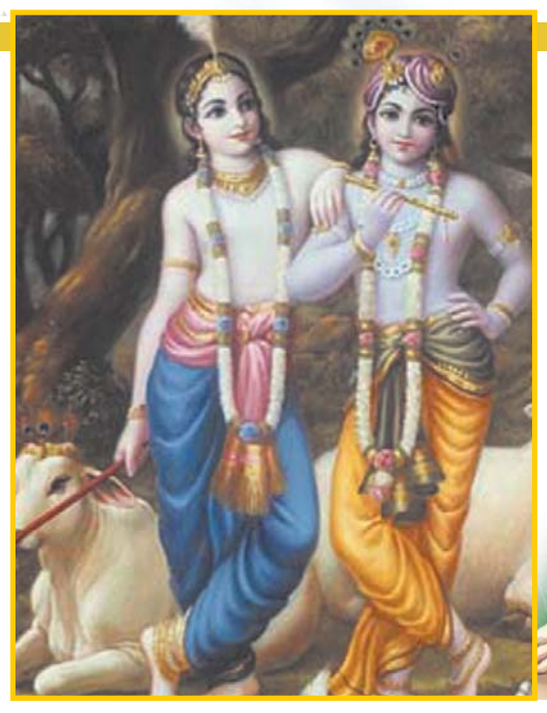

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

कविताएं

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वत : खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का ।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की ।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं ।

रफ हीरों की कीमतों में लगातार उछाल

सूरत। डायमंड ट्रेडिंग कंपनी की साइट में पिछले दो महीने से रफ हीरों की कीमत लगातार बढ़ रही है, लेकिन कट-पॉलिश्ड हीरों की कीमत स्थिर रहने के कारण हीरा उद्यमियों का लाभ नहीं के बराबर रह गया है।हीरा उद्योग के सूत्रों के अनुसार डायमंड ट्रेडिंग कंपनी की जून और जुलाई की साइट में दाम तीन प्रतिशत बढ़े थे, जबकि दूसरी ओर घरेलू मार्केट और विदेशों के मार्केट में ज्वैलरी की मांग कम होने के कारण कट और पॉलिश्ड हीरों की मांग घट गई।

इससे कीमतें भी स्थिर हैं। हीरा उद्यमियों का कहना है कि सामान्य तौर पर जुलाई-अगस्त में घरेलू मार्केट अच्छा रहता है, लेकिन इस साल भारत में भी हीरों की मांग कम रही। इस कारण पॉलिश्ड हीरों की कीमत स्थिर रही। डायमंड ट्रेडिंग कंपनी ने हीरों की कीमत बढ़ा दी। इससे छोटे और मध्यम हीरा उद्यमियों के लिए दिक्कत बढ़ गई है। उन्हें कम कीमत पर सौदे करने पड़ रहे हैं। कई बार तो बहुत कम लाभ में सौदा करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ साल में भारत में भी डायमंड ज्वैलरी की मांग बढ़ी है। युवा गोल्ड ज्वैलरी के

साथ डायमंड ज्वैलरी भी पसंद करते हैं। शादी-ब्याह और बर्थडे पर डायमंड ज्वैलरी देने का चलन बढऩे से हीरों की मांग बढ़ी है।

पंजाब, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई आदि शहरों में डायमंड ज्वैलरी की अच्छी मांग रहती है।

शव ठिकाने लगाने में मदद करने वाला भी पकड़ा गया

उमरा पुलिस ने सुरक्षाकर्मी अंकित गिरी गोस्वामी की हत्या के मामले में एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है।पुलिस निरीक्षक डी.एच. गौर ने बताया कि सिटीलाइट चंद्रमणि सोसायटी निवासी राजेश शाह (24) भी अठवा लाइंस अंजन शलाका बिल्डिंग के सुरक्षाकर्मी अंकित गिरी गोस्वामी की हत्या में लिप्त था। उसने अंकित की हत्या के मुख्य अभियुक्त पंकज झा और रविसिंह राजपूत की मदद की थी। अंकित उसके मातहत पंकज और रविसिंह से सख्ती से काम लेता था तथा लापरवाही बरतने पर उनकी शिकायत करता था।इस वजह से वह उससे रंजिश रखे हुए थे। अंकित को रास्ते से हटाने के लिए उन्होंने हत्या की साजिश रची और बहला-फुसला कर अपने साथ ले गए। चाकू से उसकी हत्या करने के बाद शव वेसू गेल रेजिडेंसी के निकट खड्डे में फेंकने के लिए उन्होंने अपने मित्र सुरक्षाकर्मी राजेश शाह की मदद ली थी। पुलिस ने 26 जुलाई को शव बरामद किया था। अंकित के चाचा ने उसकी शिनाख्त की थी। पंकज और रविसिंह के पकड़े जाने पर राजेश फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने शनिवार रात उसे भी धर दबोचा।

जन्माष्टमी स्पेशल :150 महिलाओं की टोली गोविंदा बन फोड़ेगी मटकियां

सूरत. कृष्णा जन्माष्टमी पर पुरूषों की गोविंदा मंडलियों के साथ ही महिलाओं की टोली भी मटकी फोड़ते नजर आएगी। सूरत में कई सालों से पुरूषों की तरह ही 150 महिलाओं का एक गोविंदा मंडल है, जो हर साल जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ कार्यक्रम में हिस्सा होता है। इस मंडल में 14 साल से लेकर 60 साल की महिलाएं शामिल है।

दो महीने पहले ही शुरू करते है प्रेक्टिस

भागल अंबाजी मंदिर क्षेत्र के इस महिला गोविंदा मंडल में शामिल किशोरियां और महिलाएं जन्माष्टमी से दो महीने पहले ही मटकी फोडऩे की प्रेक्टिस शुरू कर देती है। रोजाना रात दस बजे तक घर का काम निपटाने के बाद रात एक बजे तक प्रेक्टिस करती है।

कई जगह से मिलता है आमंत्रण

महिला मंडल की सदस्यों ने बताया कि मटकी फोडऩे के लिए उन्हें विभिन्न सोसायटियों से आमंत्रण मिलता है। आमंत्रण पर वह जन्माष्टमी पर उन सोसायटियों में पहुंचकर मटकियां फोड़ती है। इसके लिए उन्हें आयोजकों की ओर से पुरस्कार भी दिया जाता है।

शीतला सातम के दिन शीतला माता की पूजा की गई ।

बैंककर्मी बन फोन कर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद. बैंककर्मी बनकर वेरिफिकेशन करने के बहाने से लोगों के पास से डेबिटकार्ड-क्रेडिटकार्ड के नंबर और वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) जानकर उनके बैंक खाते को साफ करने वाले शातिर तीन ठग को साइबर सेल ने दिल्ली से पकड़ा है। इनमें दो युवतियां भी शामिल हैं। इनके पास से 184 सिमकार्ड बरामद हुए हैं। गुजरात के 500 लोगों को फोन किए जाने की बात सामने आई है। इन नंबरों की जानकारी सीआईडी क्राइम को भेजी है। आरोपियोंके पास से 13 फोन, एक लैपटॉप, छह गिफ्ट पैक और चेकबुक बरामद की है। साइबर सेल के प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) जे.एस.गेडम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली ओखला संजय कोलोनी निवासी प्रकाशचंद्र सिंह (24), संगमविहार निवासी पूजा (21) व कीर्ति साकिया (23) शामिल है। आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश करने पर अदालत ने इनका 4 सितंबर तक रिमांड मंजूर किया है। पकड़े गए तीनों ही आरोपी पहले नामी मोबाइल कंपनियों के कॉल सेंटर में काम कर चुके हैं। जिससे इन्हें लोगों के साथ बातचीत करने का खासा अनुभव है।सभी आरोपी दक्षणि पश्चिम दिल्ली में फ्रेंड्स कोलोनी में एक किराए के मकान में अप्रेल 2018 से ठगी का कॉल सेंटर चला रहे थे। मुख्य आरोपी अभी फरार है। आरोपी प्रकाश संजीव के नाम से और कीर्ति हिमांशी के नाम से जबकि पूजा अदिती के नाम से बैंक कर्मचारी बनकर लोगों को फोन करते थे। आरोपी इतने शातिर थे कि पकड़े नहीं जाएं इसलिए हर महीने अपने मोबाइल फोन में सिमकार्ड बदल देते थे।इस गिरोह के विरुद्ध वकील दीपक मकवाणा ने 24 मई 2018 को अहमदाबाद के साइबर सेल में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उनके खाते से आरोपियों ने 9999 रुपए पार कर दिए थे। कार्ड बंद होने का कहकर करते बातचीतआरोपी लोगों का क्रेडिटकार्ड, एटीएमकार्ड बंद हो गया होने का कहकर उनसे बातचीत शुरू करते और उसे पुन: चालू करने के लिए वेरिफिकेशन प्रक्रिया करने के बहाने से उससे कार्ड का नंबर व सीवीवी नंबर जानते फिर ओटीपी भेजकर ओटीपी की जानकारी ले लेते। इसके बाद व्यक्ति के बैंक खाते से नकदी पार कर देते थे। 12 राज्यों 1799 लोगों को किए फोनआरोपियों की पूछताछ व इनसे बरामद सिमकार्ड की जांच में सामने आया कि गुजरात, राजस्थान सहित 12 राज्यों में 1799 लोगों को फोन किए गए।

विभिन्न स्थलों से काफी संख्या में पाटीदार निकले

पुलिस ने पाटीदार महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने पर नाराजगी

अहमदाबाद । हार्दिक पटेल की अनिश्चितकालीन उपवास का रविवार को नौंवा दिन है तब सोमवार को मेहसाणा, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर, राज कोट सहित के विभिन्न स्थलों से काफी भारी संख्या में पाटीदार और किसान निकले थे लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही उनको रोककर पाटीदारों को बड़े पैमाने पर हिरासत में लिया गया । कई स्थलों पर तो पुलिस ने महिला पाटीदारों के साथ दुर्व्यवहार करने पर फिर एकबार पुलिस प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी फैल चुकी है। साबरकांठा जिला के हिम्मतनगर के गढोडा गांव से मां उमिया के रथ के साथ तीन हजार पाटीदारों और किसान अहमदाबाद आने के लिए निकले थे, तब पुलिस और प्रशासन डर गया, इसी वजह से उनको तलोद रोड पर रोक दिया गया ।

जिले की एसओजी, एलसीबी, क्युआरटी और स्थानीय पुलिस का बड़ा काफिला तैनात करके अहमदाबाद जा रहे पाटीदारों को रोक दिया गया । पुलिस ने पैदल यात्रियों को मंजूरी लेकर जाने के लिए आग्रह रखने पर इसके विरोध में माताजी का रथ लेकर निकले पाटीदारों और भारी संख्या में किसान जिसमें महिलाएं भी शामिल थी, वह रोड पर बैठ गये । जिसकी वजह से पुलिस ने ६० से ज्यादा पाटीदारों को हिरासत में लिया गया, जिसमें महिलाओं को भी हिरासत में लिया गया ।

महिला पाटीदारों के साथ पुलिस ने दुर्व्यवहार को लेकर फिर एकबार पुलिस प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी फैल चुकी है । इसी प्रकार से मेहसाणा में भी हार्दिक के समर्थन में प्रतीक उपवास कर रहे १४ से ज्यादा पाटीदारों को हिरासत में लिया गया ।

गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद शांत हो गया पाटीदार आरक्षण आंदोलन हार्दिक पटेल की अनिश्चितकालीन उपवास को लेकर फिर से सक्रिय हो रहा है । रविवार को शीतला सातम के त्यौहार के बीच पाटीदारों ने हार्दिक के समर्थन में मेहसाणा में रामधून किया गया । हार्दिक के समर्थन में पाटीदारों ने एक दिन के प्रतीक उपवास और रामधून का कार्यक्रम आयोजित करके सरकार के विरूद्ध अपनी नाराजगी व्यक्त की थी ।

हार्दिक का वसीयतनामा, नेत्रदान करने की इच्छा जताई

अहमदाबाद। पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल की अनिश्चितकालीन उपवास का रविवार को नौंवे दिन बिगड़ी हुई हालत और चिंताजनक स्वास्थ्य की स्थिति के बीच अपना वसीयतनामा के उत्तराधिकारी के तौर पर इसके माता-पिता को बताकर नेत्रदान करने की इच्छा व्यक्त की। हार्दिक ने अपने वसीयतनामा में ज्यादातर हिस्सा पाटीदार समाज और पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान शहीद हुए १४ पाटीदारों को देने के लिए घोषणा करने पर पाटीदार समाज में हार्दिक की काफी प्रशंसा हो रही है।

हार्दिक पटेल की अनिश्चितकालीन उपवास का रविवार को नौंवे दिन बहुत कमजोर हो गये है और इसका स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है। खुद डॉक्टरों ने इसे ४२ घंटे में अस्पताल में भर्ती करने की चेतावनी देते है तब वह अपना वसीयतनामा घोषित किया है। जिसमें इसका उपवास के दौरान निधन हो जाए तो नेत्रदान करने की इच्छा व्यक्त की है। प्रॉपर्टी सहित के उसने अपने पिता भरतभाई और मां उषाबहन को उत्तराधिकारी के तौर पर घोषित किया है। उपवास के दौरान इसकी मौत हो तो प्राइवेट कंपनी के बीमा की रकम, बैंक में जमा रकम में से २० हजार रुपये दोनों को और ३० हजार रुपये वीरपुर की गौशाला में और अपने जीवन आधारित लिखी गई बुक की रॉयल्टी में से अपने मां-पिता, बहन और १४ पाटीदार शहीद के परिवार को देने की घोषणा की थी।

लोकजन शक्ति पार्टी
राष्ट्रीय अध्यक्ष 'केबिनेट मंत्रीजी'

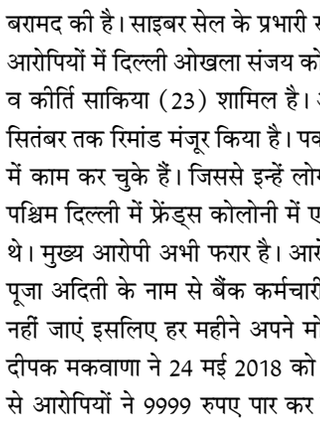

रामविलास पासवानजी
(खाद्य केबिनेट मंत्रीजी)

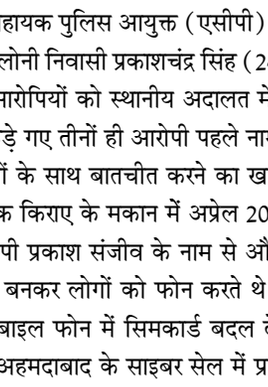

चीराग पासवानजी
(सांसद पार्लामेन्ट)

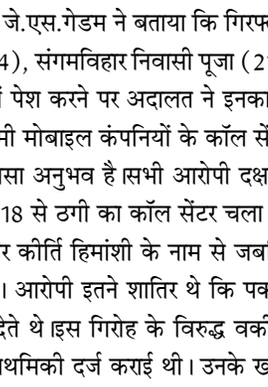

रामचंद्रजी पासवान
(दलीत सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष)

लोक जन शक्ति पार्टी

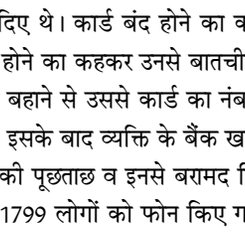

मुखलाल पासवानजी
(कमीटी मेम्बर, FCI)

गुजरात प्रदेश महा सचीव

अशोक पासवान
(अेल.जी.पी. कार्यकर्ता)

लल्लन पासवान
(अेल.जी.पी. कार्यकर्ता)

बिजय पासवान
(उप प्रमुख. सुरत)

गुजरात राज्य आगमन पर आप सभी को हम सभी के तरफ से आप सभी को हार्दिक स्वागत करते है ।

एटीएम तोडऩे वाले गिरोह के तीन पकड़े

सूरत. पूणागाम पुलिस ने एटीएम तोडऩे वाले गिरोह के तीन जनों को कतारगाम क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक कामरेज नंदनवन सोसायटी निवासी अनिल गिरी गौस्वामी शातिर है। वह पहले भी एटीएम से जुड़ी धोखाधड़ी के मामलों में पकड़ा जा चुका है। वह अपने दो साथियों कामरेज अंबोली गांव निवासी अल्ताफ समा व वराछा कैलाशधाम सोसायटी निवासी शैलेश वाघेला के साथ एटीएम तोडऩे की फिराक में था। उन्होंने कतारगाम धोलकिया गार्डन स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम की रेकी भी की थी। वे शुक्रवार रात एक कार में एटीएम तोडऩे के लिए जा रहे थे। उसी समय पूणागाम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उन्हें धर दबोचा। उनके कब्जे से पुलिस को मशीन तोडऩे के औजार भी मिले है।

नेहरूनगर बीआरटीएस रोड की रिपेरिंग हाल में शुरू किया गया है जिसके कारण बीआरटीएस में यात्रा करते लोगों को मुश्केली का सामना करना पड़ रहा है ।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

सूरत। तिरंगा सेवा ट्रस्ट के कार्यर्ताओ द्वारा आंगन वाड़ी के बच्चों को फल वितरण किया गया। इस फल वितरण में 350 बच्चों को फल वितरण किए गए, इस अवसर पर इस्माईल खान, रहेमान भाई, अल्ताफ भाई, मुकतार भाई, नुरुभाई, तथा हाफिज भाई के साथ कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com